साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 15 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 18 से 24 नवम्बर 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

डंपिंग यार्ड में डाला नहीं जाएगा कचरा

विशेष सभा में प्रस्ताव मंजूर । शहर से निकलने वाले कचरे की अस्थाई होंगी व्यवस्था । नहीं निकला स्थायी हल

गोंदिया – गोंदिया नगर परिषद द्वारा शहर से निकलने वाले प्रतिदिन के कचरे को गणेश नगर मोक्षधाम परिसर में अनेक वर्षों से डाला जा रहा था जिस पर गत कुछ दिनों से आग लगने वह प्रदूषण फैलने की समस्या को लेकर गणेश नगर व परिसर के निवासियों द्वारा आंदोलन किया गया था। इस आंदोलन के चलते १७ नवंबर को नगर परिषद में विशेष सभा का आयोजन किया गया था जिसमें सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि फिलहाल उपरोक्त डंपिंग यार्ड में कचरा नहीं डाला जाएगा तथा १८ नवंबर से पर पर्यायी व्यवस्था के रुप में कचरा डालने की व्यवस्था होंगी लेकिन इस सभा में शहर के के लिए डंपिंग यार्ड व घनकचरा प्रकल्प की स्थाई समस्या का हल नहीं हो पाया है।

गौरतलब है कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत शासन द्वारा शहर से निकलने वाले कचरे के नियोजन के लिए करोड़ों रुपए की राशि गोंदिया नगर परिषद को दी है। लेकिन अब तक नगर परिषद द्वारा डंपिंग यार्ड व घनकचरा प्रकल्प का नियोजन नहीं किए जाने से घनकचरा की व्यवस्था शहर वासियों के लिए एक समस्या बन चुकी है। गत २० से २५ वर्षों से शहर से निकलने वाला प्रतिदिन का कचरा गणेश नगर मोक्ष धाम क्षेत्र में डाला जा रहा था। जिससे वहां पर कचरे का एक विशाल पहाड़ निर्माण हो गया जिसमें गत कुछ दिनों से शहर वासियों को परेशान करने के उद्देश्य से जानबूझकर आग लगाकर पर्यावरण के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था।

जिससे परेशान होकर गणेश नगर व आसपास के नागरिकों द्वारा इसके खिलाफ आंदोलन शुरु कर ११ नवंबर को नगर परिषद कार्यालय पर मोर्चा निकालकर हल्ला बोल आंदोलन किया था जहां प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते हुए आम निष्कर्ष निकला था कि डंपिंग यार्ड पर कचरा नहीं डाला जाएगा तथा आग लगने नहीं दी जाएंगी किंतु १२ नवंबर को फिर से शहर के कचरे की गाड़ियां पहुंचने पर नागरिकों का जन आक्रोश फूट पड़ा तथा उन्होंने वाहनों पर रोक लगा दी। उल्लेखनीय है कि जहां कचरा डाला जा रहा है वहां कुछ जमीन शासकीय होने के साथ ही प्रमोद अग्रवाल की निजी भूमि भी शामिल है।

नागरिकों के कड़े विरोध को देखते हुए उस दिन तो अस्थाई व्यवस्था कर नगर परिषद मालकी याद कि मोक्ष धाम परिसर की भूमि पर कचरा डाला गया तथा इस संदर्भ में १७ नवंबर को नगर परिषद की विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसमें काफी गहमागहमी के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि फिलहाल गणेश नगर परिसर से लगे वर्तमान डंपिंग यार्ड में कचरा नहीं डाला जाएगा तथा इसकी पर्यायी व्यवस्था के लिए शहर के अन्य क्षेत्रों में कचरा डाला जाएगा जिसमें गौतम नगर बाजपाई वार्ड क्षेत्र से लगे गोंदिया चंद्रपुर रेलवे लाइन के समीप स्थित शासकीय भूमि पर १५ दिन तथा मरारटोली क्षेत्र में स्थित शासकीय भूमि पर १५ दिन कचरा डाला जाएगा किंतु सदन स्थाई व्यवस्था का निर्णय नहीं ले पाया है।

सदन निर्णय होते ही क्षेत्र के पार्षद व बांधकाम सभापति राजकुमार कुथे द्वारा सभागृह से बाहर आकर गणेश नगर व आसपास के परिसर के निवासियों को जानकारी दी गई कि अब नगर परिषद द्वारा निजी जमीन व उपरोक्त डंपिंग यार्ड में शहर का कूड़ा कचरा नहीं डाला जाएगा तथा इस समस्या के समाधान के लिए नगराध्यक्ष अशोक इंगले, उपाध्यक्ष व स्वच्छता सभापति शिव शर्मा, मुख्याधिकारी करण चौहान, घनश्याम पानतवने, पार्षद लोकेश यादव, सतीश देशमुख, क्रांति जायसवाल, सुनील तिवारी, विजय रगड़े द्वारा विशेष प्रयास किया गया।

पर्यायी व्यवस्था की है स्थाई समाधान जल्द ही

गोंदिया नगर परिषद की विशेष सभा में फिलहाल पुराने डंपिंग यार्ड में कचरा नहीं डालने का निर्णय लिया गया है तथा इसकी पर्याई व्यवस्था नगर परिषद द्वारा की जा रही है तथा डंपिंग यार्ड व घनकचरा प्रकल्प के लिए जल्द ही स्थाई हल नगर परिषद की सभा द्वारा निकाला जाएगा जिससे शहर वासियों को इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके।

– **अशोक इंगले**, नगर अध्यक्ष
नप गोंदिया

निजी ठेकेदार को लाभ पहुंचाने लगाई जा रही थी आग

स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान अंतर्गत गोंदिया नगर परिषद को घनकचरा प्रकल्प के तहत डंपिंग यार्ड व प्रोसेसिंग यूनिट के लिए ८ करोड रुपए की निधि प्राप्त हुई थी जिसके लिए नगर परिषद द्वारा ग्राम सोनपुरी में जमीन भी खरीद ली गई थी। किंतु राजनीतिक प्रतिद्वंदिता तथा निजी लाभ के लिए नगर परिषद के प्रकल्प के निर्माण में जानबूझकर विभिन्न बाधाएं निर्माण की गई जिससे नगर परिषद का डंपिंग यार्ड निर्माण ना हो तथा जिले में एकमात्र निजी प्रोसेसिंग यूनिट को शहर से निकलने वाला कचरा प्रोसेसिंग के लिए दिया जाए जिसका करोड़ों रुपए भुगतान नगर परिषद द्वारा किया जाए जिसका कमीशन जनप्रतिनिधियों को मिल सके इसलिए इस समस्या को गंभीर करने तथा शहर वासियों को परेशान कर नगर परिषद प्रशासन पर दबाव बनाने हेतु गत कुछ दिनों से शहर के वर्तमान डंपिंग यार्ड में आग लगाकर इस मुद्दे को काफी तुल दिया जाने लगा था तथा नागरिकों को परेशान कर प्रशासन के खिलाफ एक माहौल निर्माण कर दबाव बनाया गया जिस हेतु विशेष सभा आयोजित की गई किंतु उसका स्थाई हल नहीं निकला जिससे साफ दिखाई देता है कि गोरेगांव तहसील के अंतर्गत एमआईडीसी क्षेत्र में लगाया गया निजी प्रोसेसिंग कचरा प्रोसेसिंग यूनिट को ठेका मिल सके।

बायो माइनिंग के तहत १७ हजार ५४१.६ क्यूबिक मिटर कचरे के प्रोसेसिंग के लिए ७० लाख का भुगतान गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत निकलने वाले कचरे को मोक्षधाम परिसर में गत २० से २५ वर्षों से डाला जा रहा था। जिससे उसका वहां पर एक विशाल पहाड़ निर्माण हो गया था। उपरोक्त कचरे को नष्ट करने तथा उसकी प्रक्रिया करने के लिए बायो माइनिंग प्रकल्प के अंतर्गत शासन द्वारा गूगल मैप के माध्यम से वर्ष २०१५-१६ में सर्वे किया गया था जिसमें मात्र १७५४१ क्यूबिक मीटर दर्शाया गया था। जिसके लिए शासन द्वारा ७५ लाख रुपए की निधि मंजूर की गई थी। जबकि उपरोक्त क्षेत्र डंपिंग यार्ड में करीब एक लाख से अधिक क्यूबिक मीटर घनकचरा जमा है। जिसका नगर परिषद द्वारा कुछ दिनों पूर्व टेंडर निकाल कर एक निजी प्रोसेसिंग यूनिट को दिया गया था। जिसका टेंडर ५.५० प्रतिशत बिलो जाने के साथ ही ७० लाख ९४८७६ रुपए का भुगतान नगर परिषद द्वारा किया गया था।

शासकीय धान खरीदी केंद्रों में होता है करोड़ों का भ्रष्टाचार

राजनीतिक दलों के नेता विधायक सांसदों की सिफारिशों पर मिलते हैं आधारभूत धान खरीदी केंद्र । ७/१२ पर होती है बोगस खरीदी

डीओ के नाम पर राईस मिलर को दिया जाता धान मिल मालिक व खरीदी केंद्र संचालक बांटते करोड़ों रुपया

गोंदिया – गोंदिया-भंडारा जिला धान उत्पादक जिले के रुप में जाना जाता है। जिस में प्रतिवर्ष किसानों से शासकीय दर पर धान खरीदी करने के लिए शासकीय आधारभूत केंद्र शासन द्वारा शुरु किये जाते हैं। उपरोक्त केंद्रों का वितरण करने का अधिकार मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल का है ।किंतु अधिकांश केंद्र जिले के राजनीतिक दलों के नेता, विधायक, सांसद की सिफारिशों पर उनके व्यक्तियों को मिलते हैं। किंतु अब तक राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा धान खरीदी केंद्रों में होने वाली हेराफेरी की जांच कर मामले को उजागर करते हुए दोषियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई नहीं कि इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि गोंदिया व भंडारा जिले को मिलाकर करीब प्रतिवर्ष ३०० खरीदी केंद्रों को मंजूरी दी जाती है। तथा हर केंद्र से मार्केटिंग फेडरेशन को १० लाख रुपये की अवैध वसूली मिलती है। इसके साथ ही फेडरेशन द्वारा विधायक व सांसद की सिफारिश पर कुछ केंद्र उनके करीबी व कार्यकर्ताओं को दिए जाते हैं जिन से अवैध वसूली नहीं होती इसके साथ ही हर धान खरीदी केंद्रों पर बोगस सातबारा से धान की खरीदी की जाती है। तथा कुछ केंद्रों पर बिना धान खरीदी किए ही कागजों पर खरीदी दर्शाई जाती है और मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा जो डीओ राइस मिल मालिकों को दिया जाता है उसमें धान उठा लिया गया यह दर्शाया जाता है।

धान खरीदी केंद्रों से उल्लेखित धान उठा लिया गया है। ऐसे अनेक मामले गोंदिया व भंडारा जिले में इसके पूर्व सामने आ चुके हैं। किंतु मार्केटिंग फेडरेशन का इसमें बराबर हिस्सेदारी होने से उपरोक्त मामलों में पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं होती तथा मामले की जांच भी नहीं हो पाती है ऐसे गंभीर मामलों पर जिला आपूर्ति विभाग तथा जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जांच क्यों नहीं की गई इस पर भी रहस्य बना हुआ है। क्योंकि कमाई में सभी का बराबर हिस्सा रखा जाता है। उल्लेखनीय है कि राइस मिल मालिक व धान खरीदी केंद्र जो इस हेराफेरी में बराबर के साझीदार हैं उनके द्वारा प्रतिवर्ष नेताओं, अधिकारियों को करोड़ों रुपए की मलाई दी जाती है। साथ ही शासकीय आधारभूत खरीदी केंद्रों में बोगस रिकॉर्ड बनाकर खरीदी केंद्र में धान की खरीदी दिखाई जा रही है इस प्रकार का मामला गोंदिया व भंडारा जिले में हर वर्ष होने के साथ ही करोड़ों रुपए का शासन को चुना लगाया जा रहा है। जब इस प्रकार के मामले पत्रकारों द्वारा सामने लाए जाते हैं तो दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय केंद्रों के संचालकों के राजनीतिक आका, सांसद विधायक आदि खुलेआम सामने आकर उन भ्रष्टाचारियों को बचाने में पूरा जोर लगा देते हैं।

गत वर्ष गोंदिया व गोरेगांव तहसील के धान खरीदी केंद्रों में भी इस प्रकार के करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार सामने आया था किंतु गोंदिया से मुंबई तक नेताओं अधिकारियों को करोड़ों रुपए पहुंचा कर अपने ब्लैक लिस्ट होने वाले केंद्रों को बचाने के साथ ही फिर से इस वर्ष शासकीय खरीदी केंद्र की मंजूरी प्राप्त की गई है। तथा धान खरीदी केंद्रों में प्रतिवर्ष होने वाले करोड़ों रुपए के घोटालों पर महाराष्ट्र सरकार की चुप्पी पर सवालिया निशान निर्माण हो रहा है।

ब्यूटी पार्लर की आड़ में चल रहे चकलाघर का पर्दाफाश

रामनगर पुलिस की कार्रवाई

गोंदिया शहर के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले महावीर कॉलोनी मे मंत्रा फैमिली सलून मेकअप स्टूडियो एंड स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे चकलाघर पर रामनगर पुलिस द्वारा छापामार कार्रवाई कर संचालिका सहित चार महिलाओं पर मामला दर्ज किया। गौरतलब है कि महानगरों की तर्ज पर अब गोदिया जैसे शहर में भी ब्यूटी पार्लर मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार बड़े पैमाने पर शुरु हो चुका है। इसी प्रकार के एक मामले में रामनगर पुलिस थाने को गुप्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी प्राप्त हुई की कुड़वा परिसर के महावीर कॉलोनी में मोबाइल बुकिंग के माध्यम से चकलाघर चलाया जा रहा है। जिस पर रामनगर पुलिस द्वारा मंत्रा फैमिली सलून मेकअप स्टूडियो एंड स्पा सेंटर पर छापामार कार्रवाई करने पहुंची तो घटनास्थल पर देह व्यापार के मामले में संस्था संचालिका व चार युवतीयो को रंगे हाथों धर दबोचा तथा घटनास्थल से ६१२० नगद ५००० का एक मोबाइल सहित १११२० रुपए की सामग्री जप्त की तथा संचालिका पर मामला दर्ज करने के साथ ही चारों युवतीयो को परिजनों को सौंपा गया ।उपरोक्त मामले में रामनगर पुलिस द्वारा अनैतिक व्यापार प्रतिबंधक अधिनियम १९५६ की धारा ३, ४, ५ के तहत मामला दर्ज किया गया तथा हिरासत में ली गई संचालिका को न्यायालय में पेश किया गया जहां उसकी जमानत मंजूर की गई। उपरोक्त मामले में जांच रामनगर पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक देवीदास कठाले द्वारा की जा रही है। उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे उपविभागीय अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में रामनगर पुलिस दल द्वारा की गई।

गोंदिया नप का कचरा संकलन प्रक्रिया में बदलाव

गीला व सूखा कचरा एक दिन के अंतर पर उठाया जाएगा

गोंदिया नगर परिषद द्वारा शहर से निकलने वाले कचरे संकलन की प्रक्रिया में बदलाव किया है जिसके चलते अब प्रतिदिन घंटा गाड़ियों के माध्यम से जमा होने वाला कचरा जिसमें सूखा व गीला कचरा अलग-अलग जमा किया जाएगा तथा १ दिन सूखा कचरा वह १ दिन के पश्चात गीला कचरा नागरिकों से संकलन होंगा। गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद द्वारा शहर से निकलने वाला कचरा घंटा गाड़ियों के माध्यम से प्रतिदिन जमा किया जाता है। जिसमें अब तक सूखा व गीला कचरा एक साथ घंटा गाड़ी में नागरिकों द्वारा डाला जाता था, लेकिन नगर परिषद द्वारा १७ नवंबर से उपरोक्त प्रक्रिया में बदलाव किया गया है जिसके चलते एक दिन के गैप में सूखा व गीला कचरा नागरिकों से घंटा गाड़ी में लिया जाएगा जिसमें गीला कचरा जमा करने के लिए बुधवार, शुक्रवार व रविवार को का दिन निश्चित किया गया है।

सूखा कचरा को जमा करने के लिए सोमवार, मंगलवार, गुरुवार व शनिवार का दिन तय हुआ है। गीले कचरे में आने वाले किचन से निकलने वाला कचरा जिसमें पका हुआ अनाज, सड़े गले फल सब्जी भाजी, अंडे के छिलके सब्जियों के छिलके, चाय पाउडर, केश के झुक्के, कटे हुए नाखून, पेड़ पौधों का कचरा खराब होने वाले पदार्थ नारियल का कचरा तथा पर्यावरण में जो नष्ट होने वाले पदार्थ यह गीले कचरे में शामिल है।

सूखे कचरे में पॉलिथीन बैग, प्लास्टिक वस्तु, थर्माकोल के टुकड़े, लोहे की वस्तु जिसमें तार, खिले, ब्लड वगैरा टूटी कप बस्सी, कांच के गिलास, फटे कपड़े, रबड़, रद्दी कागज तथा धूल मिट्टी आदि का समावेश है। इस प्रकार का आदेश नप मुख्याधिकारी करण चौहान द्वारा जारी कर नागरिकों से सहयोग का आहवान किया है।

धान को बोनस देने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मुद्दा उपस्थित किया जाएगा- विधायक अग्रवाल

बारदाने के ८० रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पेमेंट किसानो के खाते में दे

गोंदिया – २०१५ से धान पर बोनस देने की प्रथा शुरु की गई जिसके चलते किसान अपना धान प्राइवेट में न बेचते हुए शासकीय आधारभूत धान खरेदी केंद्र पर बड़े पैमाने में बेचने हेतु उत्साह दिखाया। किसान को प्रति एकड़ धान उत्पादन पर आनेवाले खर्च को ध्यान में रखते हुए धान के बोनस की रकम देना जरुरी है। लेकिन इस बार बोनस मिलेगा के नही ऐसा भ्रम किसानो में है जिसे जल्द से जल्द दूर करने की आवश्यकता है। जिसकी घोषणा सरकार ने बिना किसी विलंब कर देनी चाहिए अगर शासन ने धान पर बोनस की घोषणा नही की तो आगामी महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रश्न उपस्थित कर सरकार का ध्यानाकर्षण करु¡गा. ग्राम बटाणा में १६ लाख २८ हजार रुपयो के विविध विकास कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में वह जनता से संवाद कर रहे थे। बारदाने के ८० रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खाते में पैसे जमा करे सरकार

शासकीय आधारभूत धान खरेदी केंद्रांपर धान बेचते समय बारदाने की समस्या आम बात है

जिसके चलते अनेको बार धान खरेदी के कार्य को रोकना पड़ा है. शासन ने धान खरेदी करते समय बारदाने भी किसान से लेना चाहिए और उसके बदले ८० रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से धान का चुकारा देते वक्त बढ़ा कर पेमेंट किसान के खाते में जमा करना चाहिए। ऐसा करने से २० से २५ करोड़ रुपये शासन के खर्च होंगे एवं २०० से ३०० करोड़ रुपयों की बचत सरकार की होंगी जिसका इस्तेमाल धान के बोनस देने में किया जा सकता है।

भाऊराव ऊके, सरपंच विजय कुसराम, टिटूलाल लिल्हारे, मेहतर पगरवार, गर्रा सरपंच कुलदीप पटले, तोमेंद्र हरिनखेड़े, मा.तु. रहांगडाले सर, उपसरपंच दीपक साठवने, मानिकचन्द रहांगडाले, छत्रपाल रहांगडाले, नत्थू भाऊ ऐड़े, अमरभाऊ मलगाम, नूतन रहांगडाले, मधुसूदन ऐड़े, भूमेश्वर लांजेवार, पुरुषोत्तम बिसेन, लक्ष्मण ऐड़े, एड. विश्वजीत रहांगडाले, डॉ. योगेश रहांगडाले, पांडुरंग ऐड़े, जितेंद्र लांजेवार, सिंधुबाई बिसेन, डिलेश्वरी रहांगडाले, ममता वट्टी, नेहा पटले, कल्पना जगने, भूमेश्वर ऐड़े, कृषिकुमार रहांगडाले, ननेश्वर ऐड़े एवं बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित थे।

संपादकिय

असुरक्षित अस्पताल

महाराष्ट्र के अहमदनगर में हुए हादसे का जख्म अभी ताजा था कि भोपाल के एक अस्पताल में आग लगने से चार नवजात शिशुओं की मौत हो गई। वहां के हमीदिया अस्पताल में नवजात शिशु कक्ष में आग लगी, जिसमें चालीस बच्चे भर्ती थे। बताया जा रहा है कि देर रात को जब आग लगी, तो बच्चों को बचाने के बजाय ज्यादातर स्वास्थ्यकर्मी अपनी जान बचा कर भाग निकले। दूसरे रोगियों की तरह नवजात शिशु खुद जान बचाने का प्रयास भी नहीं कर सकते थे, इसलिए उनमें से चार को नहीं बचाया जा सका।

ऐसे विशेष कक्षों में उन्हीं नवजात शिशुओं को रखा जाता है, जिन्हें पैदा होने के साथ ही कोई समस्या होती है। उन्हें विशेष संयंत्रों के सहारे रखा जाता है। जाहिर है, यह कक्ष अत्यंत संवेदनशील होता है। मगर विचित्र है कि वहां भी बिजली आदि के मामले में इस कदर लापरवाही बरती जाती है कि कभी आग लगने से, तो कभी उन संयंत्रों के अचानक बंद हो जाने से शिशुओं की मौत हो जाती है, जिनके सहारे उनकी जीवन रक्षा करने का प्रयास किया जाता है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस घटना को आपराधिक किस्म का माना है। देखना है कि इस मामले में क्या कार्रवाई होती है।

चाहे वह बच्चों का कक्ष हो, कोविड मरीजों का या गहन चिकित्सा कक्ष, अस्पतालों के किसी भी हिस्से में बिजली की गड़बड़ी से आग लगने जैसी घटनाएं निस्संदेह व्यवस्था के लिए शर्म का विषय हैं। अस्पतालों में वही लोग भर्ती होते हैं, जिनका उपचार सामान्य तरीके से संभव नहीं होता। उनमें बहुत सारे लोग गंभीर हालत में होते हैं, कई के गंभीर आपरेशन हुए होते हैं, तो कई बेहोशी की हालत में होते हैं।

ऐसे में अगर बिजली की गड़बड़ी से उनकी जान चली जाए, तो इसे किसी भी रुप में क्षम्य नहीं माना जा सकता। मगर विचित्र है कि अस्पतालों में आग की घटनाओं को भी प्रशासन सामान्य लापरवाही या मानवीय चूक मान कर रफा-दफा कर देता है। नवजात शिशुओं का इस तरह दम तोड़ देना कितना दर्दनाक और अफसोसनाक है कि उन्होंने तो अभी जीवन देखा ही नहीं और किसी की लापरवाही के चलते मौत की नींद सो गए।

दरअसल, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की दशा दिन पर दिन इसलिए भी खराब होती गई है कि सरकारें इन्हें लेकर गंभीर नहीं दिखाई देतीं। स्वास्थ्य पर खर्च को लेकर हर साल आंकड़े जारी किए जाते हैं कि किस तरह हम से गरीब देशों में भी इससे अधिक पैसा खर्च किया जाता है। फिर भी सरकारें कान में तेल डाले रहती हैं। उन्हें निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा पर कुछ अधिक भरोसा है। मगर देश की बड़ी आबादी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर ही निर्भर है। इसे सुधारे बिना कोई भी सरकार कल्याणकारी सरकार नहीं कहला सकती।

मगर सरकारी अस्पतालों की हालत तो यह है कि वहां भरोसेमंद बिजली की व्यवस्था तक नहीं है। आजकल बिजली सुरक्षा के जितने आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, उतने किसी और मामले में नहीं होंगे। फिर भी सरकारी अस्पतालों के मिस्त्री किस्म के बिजलीकर्मी पुराने उपकरणों में सुधार करके या जैसे-तैसे कामचलाऊ उपाय जुटा कर बिजली का प्रवाह चालू रखने का प्रयास करते हैं। बिजली से सुरक्षा के उपकरण लगाना बहुत खर्चीला काम भी नहीं है, मगर भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी सुरक्षा के बजाय अपनी जेबों का ध्यान अधिक रखते हैं। असुरक्षित अस्पतालों के परिवेश के लिए वही जिम्मेदार हैं।

१५ से २५ नवंबर तक जिले में सक्रिय टीबी के मरीजों का खोज अभियान

गोंदिया – कोरोना में आपात स्थिति के चलते जिले में टीबी मरीजों के निदान व इलाज की दर पहले के वर्षों की तुलना में कमी आई है। समाज में टीबी के मरीजों की संख्या कम से कम रखी जाए तथा मरीजों का पता लगाने के लिए १५ नवंबर से २५ नवंबर २०२१ तक की अवधि में जिले में सक्रिय टीबी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ऐसी जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राज पराडकर ने दी है।

आईए, समाज में टीबी संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ें कार्यक्रम का उद्देश्य है। क्षय रोग के लक्षण, निदान, उपचार, दवा और रेफरल सेवाएं, उपलब्ध सुविधाएं जैसे, प्रत्येक क्षय रोग के रोगियों को ५०० रुपये प्रतिमाह अनुदान दिया जाता है। साथ ही नि:शुल्क एक्स-रे जांच, थूक की जांच, एमडीआर/एक्सडीआर मरीजों की जांच अन्य सभी सुविधाएं सरकारी व निजी अस्पताल में उपलब्ध हैं। इन सभी मामलों के साथ-साथ समाज में इस बीमारी के बारे में जानकारी भ्रांतियों और अंधविश्वासों को दूर किया जा सकता है। पिछले तीन साल में गोंदिया जिले में शुरु हुए नए इलाज जिले के कुल ९५६ गांवों में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन आशा कार्यकर्ता, स्वयंसेवक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ए.एन.एम.इसके माध्यम से व्यक्तियों के लिए टीबी और कुष्ठ रोग मानदंड की पूरी सूची शारिरिक जांच कराई जाएगी।

कोविड-१९ की आपात स्थिति से जिले में क्षय रोग के मरीजो की दर पिछले कई वर्षों की तुलना में बेहद कम है। जिला क्षय रोग नियंत्रण स्वास्थ्य समिति, गोंदिया की ओर से रोगियों के शीघ्र निदान के लिए विभिन्न उपाय लागू किए जा रहे हैं। समाज में सभी टीबी रोगियों और कुष्ठ रोगियों का निदान, पुष्टि के बाद दवा शुरु करना बहुत जरुरी है। कम से कम समय में तपेदिक और कुष्ठ रोगियों का पता लगाएगा शासन के निर्णय के अनुसार जिले में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के सर्वेक्षण के लिए आशा कार्यकर्ता, स्वयंसेवक व आंगनबाडी कार्यकर्ता आदि की कुल १९६ टीमों को नियुक्त किया गया है। साथ ही निगरानी के लिए जिले में २० दस्ते बनाए गए हैं। सभी वर्ग के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए योजना कार्यक्रम के अनुसार कार्य प्रगति पर है। इस अभियान के सफलतार्थ जिले के नागरिक सहयोग करे ऐसा आव्हान जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल ने किया।

कलार समाज ने मनाई सहस्त्रबाहु जयंती

गोंदिया – अखिल भारतीय कलार, कलाल, कलवार समाज की महिला संगठन तथा योग ग्रुप द्वारा क्षत्रिय मराठा कलार समाज भवन बाजपाई वार्ड में कलार समाज के आराध्य भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती मनाई इस अवसर पर समाज के ठमेश्वरी कावड़े, सुरेश पिपलेवार, तिलक चंद धुवारे, सिंधु पिपलेवार, सौभा धुवारे, श्री भोयर, सुनीता धपाडे, शारदा डोहरे, अवनी धपाडे, श्री धपाडे, शिखा सुरेश पिपलेवार सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : किसी समस्या का हल निकालने के लिए दूसरे की मदद ले लेना बेहतर साबित होगा। लाइफस्टाइल में परिवर्तन लाने का सेहत पर शानदार असर देखने को मिलेगा। कार्यस्थल पर प्रतियोगी स्थिति रहने के कारण अपनी क्षमता और दक्षता का बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव रहेगा। प्रेमी द्वारा वादा नहीं निभा पाने को लेकर नाराजगी हो सकती है।

वृषभ : आपकी मुलाकात किसी ऐसे इंसान से होने वाली है, जो भविष्य में बेहद फायदेमंद साबित होगा। परिवार के किसी युवा की शादी तय होने की संभावना है। आप में से कुछ लोगों को बिजनेस के सिलसिले में विदेश जाने का अवसर मिल सकता है। लंबे समय से चल रहा कोई प्रापर्टी विवाद सुलझा लिए जाने की उम्मीद है।

मिथुन : अपने कंधे का भार हल्का करने के लिए किसी की मदद मांग सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आ रही किसी समस्या को रखने के लिए बॉस से मिलने में देरी न करें, चीजें स्पष्ट रहने से आगे बेहतर रहेगा। जिस प्यार की आपको लंबे समय से तलाश थी, अब वो इंतजार खत्म होने वाला है।

कर्क : यह सप्ताह आपके लिए बेहद शानदार रहने वाला है, कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। जिसे आप मन ही मन में प्यार कर रहे थे, उसकी तरफ से सकारात्मक संकेत मिलने की उम्मीद है। आप में से कुछ लोग अपने लिए नई कार खरीदने वाले हैं। पढ़ाई के स्तर पर स्थिति अनुकूल रहेगी। किसी अनअपेक्षित स्रोत से आमदनी होने की संभावना है।

सिंह : इस सप्ताह आपको किसी और के निजी काम के लिए ऑफिस के समय से थोड़ा वक्त निकालना पड़ सकता है। प्रोफेशनल स्तर पर आपके द्वारा लंबे समय से किए जाने वाले प्रयास का परिणाम मिलने का वक्त आ गया है, दिल थाम लें। सक्षम होने के बावजूद उसे मना कर देना बेहतर रहेगा, समझदारी से काम लें।

कन्या : प्रोफेशनल स्तर पर मिली सफलता का उत्सव मनाए जाने की उम्मीद है। लंबे समय से चल रही किसी शारीरिक समस्या पर नियंत्रण पा सकते हैं। अपने प्रेम संबंध के लिए वक्त निकालना आपके लिए जरुरी है, इसे प्राथमिकता में रख सकते हैं। आप में से कुछ लोगों द्वारा प्रॉपर्टी खरीदे जाने की संभावना है। वित्तीयस्तर पर मजबूती रहेगी।

तुला : किसी के साथ शहर से बाहर जाने की संभावना बन रही है। आप में से कुछ लोग अपने प्रोजेक्ट को फाइनल टच देने की तैयारी में रहने वाले हैं। आपको अपने करीबी लोगों से किसी तरह की मदद की जरुरत पड़ सकती है। अच्छी सेहत बनी रहे, इसके लिए आपको नियमित व्यायाम करते रहना होगा।

वृश्चिक : जिस किसी काम को कर रहे हैं, उसकी पूर्णता को लेकर आश्वस्त हो जाने पर ही उसे छोड़ें। जीवनसाथी के संग मनमुटाव बढ़ने से समस्या हो सकती है। सामाजिक क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई होने की आशंका है, प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल सकते हैं। सेहत संतोषजनक रहने की उम्मीद है।

धनु : आपको अपना काम निकलवाने के लिए किसी को मनाना पड़ सकता है। प्रोफेशनल स्तर पर यह सप्ताह आपके लिए शानदार रहने वाला है। सेहत को लेकर लंबे समय से चल रही कोई समस्या अब दूर हो जाने वाली है, निश्चिंत रहें। रोमांटिक क्षेत्र में आपको अपने जीवन में किसी की तलाश रहेगी।

मकर : यह सप्ताह बेहद खुशनुमा रहेगा। आपके सितारे बुलंद रहने वाले हैं। अच्छी नेटवर्किंग के कारण आपके लिए तरक्की का नया रास्ता खुलने की उम्मीद है। आप अपने व्यवहार और क्षमता से बॉस को प्रभावित कर सकते हैं। अपनी विशेषज्ञता वाले क्षेत्र में आपके गए योगदान की सराहना होने वाली है। आर्थिक स्तर पर कोई परेशानी नहीं रहने वाली है।

कुंभ : किसी को लेकर पैदा हुए गलतफहमी को समय रहते दूर कर लेना बेहतर होगा। निजी और प्रोफेशनल स्तर पर आ रहीं समस्याओं से निपटने में सफल साबित होंगे। पारिवारिक जीवन संतोषजनक रहने वाला है। लव लाइफ में रोमांचक मोड़ आने की उम्मीद है। किसी सामाजिक समारोह में शामिल होने से बचना चाहेंगे।

मीन : यह सप्ताह आपके लिए यादगार रहने वाला है और निजी जीवन में कोई उपलब्धि मिलने की उम्मीद है। किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलने की संभावना है और आप उसे बेहतर तरीके से निभा पाएंगे। वित्तीयस्तर पर सुधार होने की उम्मीद है। सामाजिक क्षेत्र में आप चर्चा में रहने वाले हैं।

छठ पूजा

गतांक से आगे...

पुन: व्रती खाकर अपने सभी परिवार जनों एवं मित्रों-रिश्तेदारों को वही खीर-रोटी का प्रसाद खिलाते हैं। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को **खरना** कहते हैं। चावल का पिठ्ठा व घी लगी रोटी भी प्रसाद के रुप में वितरीत की जाती है। इसके बाद अगले ३६ घंटों के लिए व्रती निर्जला व्रत रखते है। मध्य रात्रि को व्रती छठ पूजा के लिए विशेष प्रसाद ठेकुआ बनाती है।

संध्या अर्घ्य

छठ पर्व का तीसरा दिन जिसे संध्या अर्घ्य के नाम से जाना जाता है, चौत्र या कार्तिक शुक्ल षष्ठी को मनाया जाता है। पुरे दिन सभी लोग मिलकर पूजा की तैयारिया करते है। छठ पूजा के लिए विशेष प्रसाद जैसेठेकुआ, चावल के लड्डू जिसे कचवनिया भी कहा जाता है, बनाया जाता है । छठ पूजा के लिए एक बांस की बनी हुयी टोकरी जिसे दउरा कहते है में पूजा के प्रसाद, फल डालकर देवकारी में रख दिया जाता है। वहां पूजा अर्चना करने के बाद शाम को एक सूप में नारियल, पांच प्रकार के फल, और पूजा का अन्य सामान लेकर दउरा में रख कर घर का पुरुष अपने हाथो से उठाकर छठ घाट पर ले जाता है। यह अपवित्र न हो इसलिए इसे सर के ऊपर की तरफ रखते है। छठ घाट की तरफ जाते हुए रास्ते में प्राय: महिलाये छठ का गीत गाते हुए जाती है

नदी या तालाब के किनारे जाकर महिलाये घर के किसी सदस्य द्वारा बनाये गए चबूतरे पर बैठती है। नदी से मिटटी निकाल कर छठ माता का जो चौरा बना रहता है उस पर पूजा का सारा सामान रखकर नारियल चढाते है और दीप जलाते है। सूर्यास्त से कुछ समय पहले सूर्य देव की पूजा का सारा सामान लेकर घुटने भर पानी में जाकर खड़े हो जाते है और डूबते हुए सूर्य देव को अर्घ्य देकर पांच बार परिक्रमा करते है।

सामग्रियों में, व्रतियों द्वारा स्वनिर्मित गेहूं के आटे से निर्मित **ठेकुआ** सम्मिलित होते हैं। यह ठेकुआ इसलिए कहलाता है क्योंकि इसे काठ के एक विशेष प्रकार के डिजाइनदार फर्म पर आटे की लुगधी को ठोकर बनाया जाता है। उपरोक्त पकवान के अतिरिक्त कार्तिक मास में खेतों में उपजे सभी नए कन्द-मूल, फलसब्जी, मसाले व अन्नादि यथा गन्ना, ओल, हल्दी, नारियल, नींबू (बड़ा), पके केले आदि चढ़ाए जाते हैं। ये सभी वस्तुएं साबूत (बिना कटे टूटे) ही अर्पित होते हैं। इसके अतिरिक्त दीप जलाने हेतु, नए दीपक, नई बत्तियाँ व घी ले जाकर घाट पर दीपक जलाते हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण अन्न जो है वह है कुसही केराव के दानें (हल्का हरा काला, मटर से थोड़ा छोटा दाना) हैं जो टोकरे में लाए तो जाते हैं पर सांध्य अर्घ्य में सूरजदेव को अर्पित नहीं किए जाते। इन्हें टोकरे में कल सुबह उगते सूर्य को अर्पण करने हेतु सुरक्षित रख दिया जाता है। बहुत सारे लोग घाट पर रात भर ठहरते है वही कुछ लोग छठ का गीत गाते हुए सारा सामान लेकर घर आ जाते है और उसे देवकरी में रख देते है।

उषा अर्घ्य

चौथे दिन कार्तिक शुक्ल सप्तमी की सुबह उदियमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सूर्योदय से पहले ही व्रती लोग घाट पर उगते सूर्यदेव की पूजा हेतु पहुंच जाते हैं और शाम की ही तरह उनके पुरजन-परिजन उपस्थित रहते हैं। संध्या अर्घ्य में अर्पित पकवानों को नए पकवानों से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है परन्तु कन्द, मूल, फलादि वही रहते हैं। सभी नियम-विधान सांध्य अर्घ्य की तरह ही होते हैं। सिर्फ व्रती लोग इस समय पूरब की ओर मुंहकर पानी में खड़े होते हैं व सूर्योपासना करते हैं। पूजा-अर्चना समाप्तोपरान्त घाट का पूजन होता है। वहाँ उपस्थित लोगों में प्रसाद वितरण करके व्रती घर आ जाते हैं और घर पर भी अपने परिवार आदि को प्रसाद वितरण करते हैं। व्रति घर वापस आकर गाँव के पीपल के पेड़ जिसको ब्रम्ह बाबा कहते हैं वहाँ जाकर पूजा करते हैं। पूजा के पश्चात् व्रति कच्चे दूध का शरबत पीकर तथा थोड़ा प्रसाद खाकर व्रत पूर्ण करते हैं जिसे पारण या परना कहते हैं। व्रती लोग खरना दिन से आज तक निर्जला उपवासोपरान्त आज सुबह ही नमकयुक्त भोजन करते हैं।

व्रत

छठ उत्सव के केंद्र में छठ व्रत है जो एक कठिन तपस्या की तरह है। यह छठ व्रत अधिकतर महिलाओं द्वारा किया जाता हैय कुछ पुरुष भी इस व्रत रखते हैं। व्रत रखने वाली महिलाओं को परवैतिन कहा जाता है। चार दिनों के इस व्रत में व्रति को लगातार उपवास करना होता है। भोजन के साथ ही सुखद शैया का भी त्याग किया जाता है। पर्व के लिए बनाये गये कमरे में व्रति फर्श पर एक कम्बल या चादर के सहारे ही रात बिताती हैं। इस उत्सव में शामिल होने वाले लोग नये कपड़े पहनते हैं। जिनमें किसी प्रकार की सिलाई नहीं की गयी होती है व्रति को ऐसे कपड़े पहनना अनिवार्य होता है। महिलाएँ साड़ी और पुरुष धोती पहनकर छठ करते हैं।^छठ पर्व को शुरु करने के बाद सालों साल तब तक करना होता है, जब तक कि अगली पीढ़ी की किसी विवाहित महिला इसके लिए तैयार न हो जाए। घर में किसी की मृत्यु हो जाने पर यह पर्व नहीं मनाया जाता है।ए

ऐसी मान्यता है कि छठ पर्व पर व्रत करने वाली महिलाओं को पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। पुत्र की चाहत रखने वाली और पुत्र की कुशलता के लिए सामान्य तौर पर महिलाएँ यह व्रत रखती हैं। पुरुष भी पूरी निष्ठा से अपने मनोवांछित कार्य को सफल होने के लिए व्रत रखते हैं।

सूर्य पूजा का संदर्भ

छठ पर्व मूलत: सूर्य की आराधना का पर्व

है, जिसे हिन्दू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। हिन्दू धर्म के देवताओं में सूर्य ऐसे देवता हैं जिन्हें मूर्त रुप में देखा जा सकता है।

सूर्य की शक्तियों का मुख्य श्रोत उनकी पत्नी ऊषा और प्रत्यूषा हैं। छठ में सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है। प्रात:काल में सूर्य की पहली किरण **(ऊषा)** और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण **(प्रत्यूषा)** को अर्घ्य देकर दोनों का नमन किया जाता है।

सूर्योपासना की परम्परा

भारत में सूर्योपासना ऋगवेद काल से होती आ रही है। सूर्य और इसकी उपासना की चर्चा विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रम्हा वैवर्त पुराण आदि में विस्तार से की गयी है। मध्य काल तक छठ सूर्योपासना के व्यवस्थित पर्व के रुप में प्रतिष्ठित हो गया, जो अभी तक चला आ रहा है।

देवता के रुप में

सृष्टि और पालन शक्ति के कारण सूर्य की उपासना सभ्यता के विकास के साथ विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग रुप में प्रारम्भ हो गयी, लेकिन देवता के रुप में सूर्य की वन्दना का उल्लेख पहली बार ऋगवेद में मिलता है। इसके बाद अन्य सभी वेदों के साथ ही उपनिषद् आदि वैदिक ग्रन्थों में इसकी चर्चा प्रमुखता से हुई है। निरुक्त के रचियता यास्क ने स्थानीय देवताओं में सूर्य को पहले स्थान पर रखा है।

मानवीय रुप की कल्पना

उत्तर वैदिक काल के अन्तिम कालखण्ड में सूर्य के मानवीय रुप की कल्पना होने लगी। इसने कालान्तर में सूर्य की मूर्ति पूजा का रुप ले लिया। पौराणिक काल आते-आते सूर्य पूजा का प्रचलन और अधिक हो गया। अनेक स्थानों पर सूर्यदेव के मंदिर भी बनाये गये।

आरोग्य देवता के रुप में

पौराणिक काल में सूर्य को आरोग्य देवता भी माना जाने लगा था। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पायी गयी। ऋषि-मुनियों ने अपने अनुसन्धान के क्रम में किसी खास दिन इसका प्रभाव विशेष पाया। सम्भवतरु यही छठ पर्व के उद्भव की बेला रही हो। भगवान कृष्ण के पौत्र शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया था। इस रोग से मुक्ति के लिए विशेष सूर्योपासना की गयी, जिसके लिए शाक्य द्वीप से ब्राम्हणों को बुलाया गया था।

पौराणिक और लोक कथाएँ

छठ पूजा की परम्परा और उसके महत्व का प्रतिपादन करने वाली अनेक पौराणिक और लोक कथाएँ प्रचलित हैं।

रामायण से

एक मान्यता के अनुसार लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की। सप्तमी को सूर्योदय के समय पुन: अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था।

महाभारत से

एक अन्य मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यदेव की पूजा शुरु की। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। वह प्रतिदिन घण्टों कमर तक पानी में ख़ड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही पद्धति प्रचलित है।

कुछ कथाओं में पांडवों की पत्नी द्रौपदी द्वारा भी सूर्य की पूजा करने का उल्लेख है। वे अपने परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लम्बी उम्र के लिए नियमित सूर्य पूजा करती थीं।

पुराणों से

एक कथा के अनुसार राजा प्रियवद को कोई संतान नहीं थी, तब महर्षि कश्यप ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराकर उनकी पत्नी मालिनी को यज्ञाहुति के लिए बनायी गयी खीर दी। इसके प्रभाव से उन्हें पुत्र हुआ परन्तु वह मृत पैदा हुआ। प्रियवद पुत्र को लेकर श्मशान गये और पुत्र वियोग में प्राण त्यागने लगे। उसी वक्त ब्रम्हाजी की मानस कन्या देवसेना प्रकट हुई और कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूँ। हे राजन् आप मेरी पूजा करें तथा लोगों को भी पूजा के प्रति प्रेरित करें। राजा ने पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह पूजा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को हुई थी।

सामाजिक/सांस्कृतिक महत्व

छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसकी सादगी पवित्रता और लोकपक्ष है। भक्ति और आध्यात्म से परिपूर्ण इस पर्व में बाँस निर्मित सूप, टोकरी, मिट्टी के बर्त्तनों, गन्ने का रस, गुड़, चावल और गेहूँ से निर्मित प्रसाद और सुमधुर लोकगीतों से युक्त होकर लोक जीवन की भरपूर मिठास का प्रसार करता है।

शास्त्रों से अलग यह जन सामान्य द्वारा अपने रीति-रिवाजों के रंगों में गढ़ी गयी उपासना पद्धति है। इसके केंद्र में वेद, पुराण जैसे धर्मग्रन्थ न होकर किसान और ग्रामीण जीवन है। इस व्रत के लिए न विशेष धन की आवश्यकता है न पुरोहित या गुरु के अभ्यर्थना की। जरुरत पड़ती है तो पास-पड़ोस के सहयोग की जो अपनी सेवा के लिए सहर्ष और कृतज्ञतापूर्वक प्रस्तुत रहता है। इस उत्सव के लिए जनता स्वयं अपने सामूहिक अभियान संगठित करती है। नगरों की सफाई, व्रतियों के गुजरने वाले रास्तों का प्रबन्धन, तालाब या नदी किनारे अर्घ्य दान की उपयुक्त व्यवस्था के लिए समाज सरकार के सहायता की राह नहीं देखता। इस उत्सव में खरना के उत्सव से लेकर अर्घ्यदान तक समाज की अनिवार्य उपस्थिति बनी रहती है। यह सामान्य और गरीब जनता के अपने दैनिक जीवन की मुश्किलों को भुलाकर सेवा-भाव और भक्ति-भाव से किये गये सामूहिक कर्म का विराट और भव्य प्रदर्शन है।

डंपिंग यार्ड को लेकर गणेश नगरवासियों का नप पर हल्ला बोल आंदोलन

गोंदिया नगर परिषद के निर्माण के १०० वर्षों से अब तक गोंदिया शहर से निकलने वाले कचरे के लिए डंपिंग यार्ड की समस्या बरकरार है। जिसके चलते गत अनेक वर्षों से गणेश नगर से लगे परिसर मोक्षधाम के समीप कचरा डाला जाता है। जिस पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगाए जाने के चलते संपूर्ण गणेश नगर क्षेत्र में प्रतिदिन धुवें व प्रदूषण का वातावरण निर्माण होने के साथ ही परिसर के नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर ११ नवंबर को सैकड़ों की संख्या में गणेश नगर परिसर के निवासी जमा होकर नगर परिषद कार्यालय में पहुंचकर हल्ला बोल आंदोलन कर यहां से डंपिंग यार्ड को हटाने, कचरे में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाने की मांग को लेकर पहुंचे।

नगर परिषद की इस लापरवाही पूर्ण कार्यप्रणाली के चलते तथा परिसर के नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के कारण आक्रोशित नागरिकों द्वारा जमकर नगर परिषद प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर हंगामा मचाते हुए अपनी मांग का ज्ञापन दिया गया। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द डंपिंग यार्ड को यहां से बंद नहीं किया गया तो नागरिकों द्वारा मार्ग पर उतर कर तीव्र आंदोलन किया जाएगा। बड़ी संख्या में नागरिक मुख्य अधिकारी करण चौहान के कक्ष में पहुंचकर अपनी मांग उनके सामने रखी।

जिस पर मुख्य अधिकारी द्वारा आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया गया कि फिलहाल आग पर नियंत्रण पाने के लिए नगर परिषद प्रशासन द्वारा २४ घंटे कर्मचारियों की

नियुक्ति करने के साथ ही अग्निशमन विभाग का एक वाहन २४ घंटे वहां उपलब्ध रहेगा तथा डंपिंग यार्ड के संदर्भ में नगर परिषद की जनप्रतिनिधियों की सभा ही निर्णय ले सकती है, जिसके लिए नगराध्यक्ष द्वारा जल्द ही विशेष सभा का आयोजन किया जाएगा।

नगराध्यक्ष अशोक इंगले ने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि कचरे की पर्यायी व्यवस्था करने के साथ ही आग लगाने वालों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया जाएगा तथा आगामी मंगलवार १६ नवंबर को विशेष सभा आयोजित कर इस गंभीर समस्या का निराकरण कर गणेश नगरवासियों व शहरवासियों को कचरे की गंदगी व प्रदूषण की समस्या से छुटकारा दिलाने का निर्णय लिया जाएगा।

जब तक समस्या का हल नहीं, कचरा नहीं उठेगा

नगर परिषद उपाध्यक्ष व स्वच्छता सभापति शिव शर्मा ने इस दौरान आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि जब तक इस गंभीर समस्या का हल नहीं निकलता, तथा इसके लिए विशेष सभा आयोजित होने तक संपूर्ण शहर का कचरा नहीं उठाया जाएगा। क्योंकि यह समस्या मात्र क्षेत्र की नहीं बल्कि संपूर्ण गोंदिया शहर की है।

निजी जमीन पर डाला जा रहा कचरा

आंदोलन के दौरान सामने आया कि नगर परिषद द्वारा डंपिंग यार्ड में डाला जाने वाला कचरा नगर परिषद या शासन की जमीन पर ना डालकर प्रमोद अग्रवाल की निजी जमीन पर कचरा डाला जा रहा है। इस संदर्भ में संबंधित भूमि मालिक से किसी भी प्रकार की मंजूरी नहीं ली गई है। उपरोक्त कचरा अनेक वर्षों से उनकी जमीन पर डाला जा रहा है। जब यह मामला उनके सामने आया तो इस संदर्भ में वर्ष २०२० में नगर परिषद को आवेदन देकर कचरा उनकी जमीन पर नहीं डालने के लिए कहा गया था। लेकिन इस संदर्भ में अब तक नपा प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते भी आंदोलन के दौरान काफी गहमागहमी का वातावरण निर्माण हो गया था। इस मामले में नगर परिषद स्वच्छता विभाग के अधिकारी व कर्मचारी समाधान कारक जवाब नहीं दे पाए।

न्यायालय में दर्ज करेंगे मामला

नगर परिषद प्रशासन द्वारा ३ से ४ दिनों में उपरोक्त परिसर के डंपिंग यार्ड में कचरा डालना बंद नहीं किया गया तो न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने के साथ ही नगर परिषद प्रशासन के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा।

नगराध्यक्ष, जिलाधिकारी व सीओ के घर के सामने फेकेंगे कचरा

डंपिंग यार्ड की समस्या, कचरा डालने, आग लगने, प्रदूषण से निजात नहीं मिलने पर आक्रोशित नागरिकों द्वारा चेतावनी दी गई है कि यदि इस समस्या का निराकरण नहीं

हुआ तो परिसर के नागरिकों द्वारा शहर से निकलने वाला कचरा नगर अध्यक्ष, जिला अधिकारी व मुख्य अधिकारी के निवास स्थान के सामने फेंका जाएगा।

उपरोक्त आंदोलन में प्रमुख रुप से बॉबी वालिया, प्रतिक कदम, बाला ठवकर, मुकेश तिवारी, रवि आर्य, डॉ. माधुरी नासरे, मंजू कटरे, महेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, धीरज जेठानी, एड.प्रतिभा चुटे, राहुल लालवानी, विनोद अग्रवाल, आशीष ठकरानी, प्रेम केसवानी, राजू नेवारे, धर्मेंद्र डोहरे, कालूराम अग्रवाल, भुवन बिसेन, अंकित डोये, तोलाराम मानकानी, गुड्डू अग्रवाल, बंटी शर्मा, नितिन जिंदल, प्रफुल्ल मिश्रा सहित सैकड़ों की संख्या में गणेश नगर, गौरी नगर, सेल टैक्स कॉलोनी, स्टेट बैंक कॉलोनी, बिड़वाईकर चाल, सुबोध चौक सहित संपूर्ण परिसर के नागरिक उपस्थित थे।

डंपिंग यार्ड में कचरा डालने का विरोध ००२

गोंदिया नगर परिषद डंपिंग यार्ड व घनकचरा प्रकल्प का प्रकरण प्रतिदिन गंभीर स्थिति में पहुंचता जा रहा है। जिसे लेकर गुरुवार को गणेश नगर व आसपास के परिसर के सैकड़ों नागरिकों द्वारा नगर परिषद कार्यालय पर हल्ला बोल आंदोलन कर कचरा नहीं डालने की मांग की थी। लेकिन इस पर निर्णय नहीं होने से शुक्रवार को सुबह जब नगर परिषद की घंटा गाड़ी डंपिंग यार्ड में कचरा डालने पहुंची तो सैकड़ों नागरिकों द्वारा इसका विरोध कर डंपिंग यार्ड में कचरा डालने से रोका गया। जिसके पश्चात नगर परिषद प्रशासन द्वारा मोक्षधाम परिसर में नगर परिषद मार्केट की कुछ भूमि पर कचरा डाला गया।

नप में नहीं हुआ निर्णय

इस संदर्भ में दोपहर २.०० बजे से नगर परिषद सभागृह में नगराध्यक्ष, सभापतियो व सभी पक्ष के गट नेताओं की सभा आयोजित की गई थी। लेकिन सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार घनकचरा प्रकल्प व डंपिंग यार्ड के संदर्भ में तत्काल हल निकालने जैसा निर्णय नहीं हो पाने से मामला प्रतिदिन तूल पकड़ता नजर आ रहा है। सभा के पश्चात नगर परिषद में परिसर के नागरिकों को बुलाया गया तथा इस समस्या का हल करने के लिए १० से १५ दिन की मोहलत की मांग की गई। लेकिन क्षेत्र के नागरिक नगर परिषद प्रशासन को मोहलत देने के इच्छुक नजर नहीं आए।

परिसर के नागरिकों की विशेष सभा

नागरिकों द्वारा शाम को एक सामान्य सभा कर शनिवार दोपहर ४.०० बजे क्षेत्र के नागरिकों की विशेष जन साधारण सभा का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। मोक्षधाम परिसर में शहर से निकलने वाले कचरे को डालने की समस्या को लेकर आंदोलन को और तेज करने का इरादा जाहिर किया।

आरपार की होंगी लड़ाई
किसी भी प्रकार की कार्रवाई के लिए तैयार ००३

समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकल पाने के चलते १३ नवंबर को परिसर के सैकड़ों नागरिकों द्वारा शाम ४.०० बजे गणेश नगर परिसर स्थित शारदा कान्वेंट के सभागृह में जनसभा आयोजित कर निर्णय लिया गया कि इस गंभीर समस्या के खिलाफ परिसर के नागरिक प्रशासन के साथ अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे तथा १४ नवंबर से उपरोक्त डंपिंग यार्ड में कचरा डालने नहीं दिया जाएगा। इस दौरान यदि प्रशासन द्वारा नागरिकों पर किसी भी प्रकार से कानूनी कार्रवाई की जाती है तो उसके लिए भी गणेश नगर व आसपास के क्षेत्र के हजारों नागरिक उपरोक्त कार्यवाही के लिए तैयार है।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त आमसभा में क्षेत्र के पार्षद व नगर परिषद के जनप्रतिनिधि तथा नगर परिषद उपाध्यक्ष स्वास्थ्य सभापति शिव शर्मा बांधकाम सभापति तथा पार्षद राजकुमार कुथे, शिक्षा सभापति सुनील तिवारी, पार्षद नेहा रॉकी नायक उपस्थित थे। जिन्हें उपस्थित नागरिकों द्वारा अपना निर्णय सुनाया गया कि वे अब डंपिंग यार्ड में कचरा डालने के विरोध में हैं तथा प्रशासन द्वारा दी गई समय अवधि समाप्त हो चुकी है।

आम सभा के निर्णय तक नागरिको द्वारा निर्णय लिया गया कि प्रशासन द्वारा यहां पर कचरा नहीं डाला जाए जब तक स्थाई समाधान नगर परिषद प्रशासन द्वारा नहीं लिया जाता, डंपिंग यार्ड हटाओ समिति द्वारा अपना आंदोलन शुरु रखा जाएगा। उपरोक्त सभा के दौरान परिसर के सैकड़ों नागरिक उपस्थित थे।

अनाधिकृत निर्माण कार्य पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं?

शासन निर्णय व जिलाधिकारी के आदेश की नप द्वारा अवहेलना

गोंदिया – सिंधी कॉलोनी रावण मैदान निवासी दिलीप तुलसीदास गोपलानी पार्षद प्रभाग क्रमांक १५ इनकी सदस्यता तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक कुमार मीणा द्वारा अनधिकृत बांधकाम के चलते रद्द की गई थी। इस संदर्भ में मंत्रालय में गोपलानी द्वारा अपील किए जाने पर सदस्यता तो बाहर की गई किंतु मंत्रालय द्वारा अनधिकृत बांधकाम व अनधिकृत वयक्ति से शासन भूमि वापस लेने का आदेश जिलाधिकारी गोंदिया को अपने आदेश में नगरविकास विभाग के मंत्री एकनाथ शिंदे इन्होने दिया था दिया गया था। किन्तु नगर पालिका गोंदिया के मुख्याधिकारी ने मंत्री के आदेश अनुसार केवल पार्षद की सदस्यता से सबंधित कार्यवाही ही पूर्ण की किन्तु मंत्री के आदेश क्रमांक ०२ पर मौनधारण कर लिया जिस वजह से इस बात की लेखी शिकायत को आरटीआई कार्यकर्त्ता महेश श्यामकुमार वाधवानी ने दिनाक ०१/११/२०२१ जिल्हाधिकारी गोंदिया की अध्यक्षता में आयोजित की गयी लोकशाही दिवस पर की गयी जिस पर नगर पालिका की कार्यप्रणाली व मुख्याधिकारी की गैर-जिम्मेदाराना रवैया की शिकायत को सुनकर जिलाधिकारी गोंदिया नयना गुंडे ने नगरपरिषद प्रशसन को कड़ी फटकार लगाई एवं अनधिकृत बांधकाम के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही कर ७ दिनों के भीतर अहवाल प्रस्तुत करने को कहा एवं अनधिकृत व्यक्ति से शासन भूखंड जमीन को वापस लेने हेतु आवश्यक जांच कार्य का जिम्मा एसडीएम गोंदिया को अपने दिनांक ०३/११/२०२१ के आदेश में दिया, किन्तु नगर पालिका प्रशासन एक बार फिर दिरंगाई पर उतर आया हे एवं अपनी वही पुराणी कार्यप्रणाली का परिचय देना शुरु किया है, यह की दिनांक ११/११/२०२१ को जो नोटिस मुख्याधिकारी ने अनधिकृत बांधकाम के सदर्भ में सम्बंधित लोगो को जारी किया है उसमे नझुल शीट क्रमांक २५ भूखंड क्रमांक १/१०९ का उल्लेख करना समझ से परे हे क्योकि मंत्री के आदेश से लेकर जिल्हाधिकारी गोंदिया के आदेश में उक्त भूखंड का कही भी जिक्र नहीं हे फिर किस के इशारे पर मुख्याधिकारी ने उक्त भूखंड को अपने नोटिस में जोड़ा हे एवं उक्त सभी अनधिकृत भूखंड धारको को पूर्व में भी नगर परिषद् गोंदिया से नोटिस प्राप्त जो चूका हे फिर उन्हें दूर नोटिस में ३० दिनों की मोहलत क्यों दी गयी, इस मामले में शासन निर्णय अनुसार अभी तक फौजदारी कार्यवाही हेतु पोलिस में मामला दर्ज क्यों नहीं किया एवं स्थानीय न्ययालय में केविट अर्ज क्यों नहीं दाखिल की गयी हे आखिर किस के इशारे पर नप अनधिकृत बांधकाम व अतिक्रमणधारको को सरक्षण देने का कार्य कर रही है जबकि अब तक किसी भी अनधिकृत बांधकाम धारक द्वारा किसी भी प्रकार से समय मांगने की अर्ज नगर पालिका को नहीं की गयी है।

नोटिस दिया जवाब मिलते ही नियमानुसार कार्रवाई

सिंधी कॉलोनी रावण मैदान के समीप शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के संदर्भ में संबंधित अतिक्रमण धारकों को नगर परिषद द्वारा नोटिस दिया गया है जिसका जवाब प्राप्त होते ही शासन के नियमानुसार व आदेशानुसार कार्रवाई की जाएंगी

करण चौहान, मुख्य अधिकारी, न.प.गोंदिया

बिरसी हवाई अड्डे से नहीं शुरु हुई विमान सेवा

यात्री उड़ान के आश्वासन हवा में

संवाददाता – गोंदिया के बिरसी हवाई अड्डे से यात्री परिवहन सेवा शुरु करने का आश्वासन जनप्रतिनिधियों ने दिया था। इतना ही नहीं तो इस संदर्भ में समाचार पत्रों में खबर भी प्रकाशित कराई गई थी। जैसे ही खबर जिलेवासियों को मिली तो जिलेवासियों में खुशी की लहर छा गई थी। लेकिन इस आश्वासन को तीन माह बीत गए लेकिन बिरसी हवाई अड्डे से यात्री विमान सेवा शुरु नहीं हुई। जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए आश्वासन हवा में उड़ रहे है। इस तरह की चर्चा भी अब गरमाने लगी है। गौरतलब है की गोंदिया के बिरसी हवाई अड्डे से प्रशिक्षणार्थियों को विमान उड़ाने का पायलट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस हवाई अड्डे से सैकडों पायलट तैयार हो चुके है। लेकिन इस हवाई अड्डे से यात्री विमान सेवा शुरु नहीं है। इस हवाई पट्टी से यात्री विमान सेवा शुरु की जाए इस तरह की मांग की जा रही थी। इस विषय को लेकर संसद के मानसून अधिवेशन में सांसद द्वारा मुद्दा उठाया गया था और खबर प्रकाशित की गई थी कि जल्द ही बिरसी विमानतल से यात्री विमान सेवा शुरु हो जाएगी, जिसकी अनुमति दे दी गई है। जैसे ही खबर प्रकाशित हुई तो जिलेवासियों में यात्री विमान सेवा को लेकर खुशी की लहर छा गई थी। किंतु तीन माह से अधिक का कालावधी बीत जाने के बावजूद भी बिरसी हवाई अड्डे से यात्री विमान सेवा शुरु नहीं हो पाई है। अब चर्चा शुरु होने लगी कि दिए गए आश्वासन कहीं हवा में तो नहीं उड़ रहे है।

अधिकृत जानकारी नहीं दी गई

बरसी विमानतल से यात्री विमान सेवा शुरु होने के संदर्भ में अब तक कोई प्रशासकीय तौर पर जानकारी नहीं मिली है। लेकिन आने वाले दिनों में उड़ाण सेवा शुरु होने की संभावना जताई जा रही है।

बैजू के.वी., डायरेक्टर, बिरसी विमानतल

रेल्वे की लापरवाही से स्टेशन पर नहीं मिल रही टिकीट

टिकीट नहीं मिलने से यात्रियों का क्या कसूर?

संवाददाता – गोंदिया रेल्वे प्रशासन के नियंत्रण में संचालित गोंदिया-चंद्रपूर रेल्वे मार्ग पर स्थित पिंडकेपार रेल्वे स्थानक पर गत कई दिनों से रेल्वे यात्रा टिकीट नहीं मिलने के कारण यात्रियों को मजबूरन टिकीट निकाले बिना ही ट्रेन में सफर करना पड रहा है। यदि टिकीट जांच के दौरान बगैर टिकीट का यात्री मिला तो इसमें यात्रियों का क्या दोष इस तरह की लापरवाही कहे या अनदेखी गत कई दिनों से पिंडकेपार रेल्वे स्थानक पर इस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। रेल्वे विभाग की लापरवाही के कारण रेल्वे प्रशासन को भी नुकसान पहुंच रहा है। वहीं यात्रियों को भी परेशानियों का सामना तथा आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा है। दक्षिण-पूर्व-मध्य रेल्वे नागपूर के नियंत्रण में गोंदिया रेल्वे प्रशासन का कामकाज चल रहा है। गोंदिया रेल्वे प्रशासन की देखरेख में पिंडकेपार रेल्वे स्थानक का कामकाज चल रहा है। इस मार्ग से चंद्रपूर से गोंदिया व गोंदिया से चंद्रपूर की ओर लोकल यात्री ट्रेनों का आवागमन होता है। पिंडकेपार रेल्वे स्थानक से प्रतिदिन ७० से ८० यात्री ट्रेनों से सफर करते है। यात्रियों की टिकीट के लिए एजेंट के माध्यम से टिकीट उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन गत कई दिनों से इस रेल्वे स्थानक पर यात्री टिकीट ही नहीं मिलने की जानकारी सामने आने से रेल्वे प्रशासन की पोल खुल गई है। मजबूरन यात्रियों को बगैर टिकीट लेकर ही ट्रेनों में सफर करना पड रहा है। टिकीट निरीक्षकों से बचने के लिए आगे के रेल्वे स्थानक से टिकीट निकालने के लिए दौडती ट्रेन से उतरकर टिकीट निकालनी पड रही है। फिर भी अनेक यात्रियों को टिकीट नहीं मिल पाती। जब जांच होती है तो उनके पास टिकीट नहीं होती। नियमों के अनुसार बगैर टिकीट यात्रा कर रहे यात्रियों पर कारवाई की जाती है। जब यात्री उन्हें टिकीट उपलब्ध नहीं होने की बात बताते है तो टिकीट निरीक्षकों का करना रहता है कि जब टिकीट नहीं मिलती तो यात्रा क्यों करते हो। इस तरह का उल्टा जवाब यात्रियों को दिया जाता है। इसमें यात्रियों का क्या कसूर इस तरह की लापरवाही गत कई दिनों से पिंडकेपार रेल्वे स्थानक पर देखी जा रही है। इसके लिए कोई और नहीं तो संबंधित रेल्वे विभाग के अधिकारी, कर्मचारी ही दोषी है। इस संदर्भ में वरिष्ठ रेल्वे विभाग के अधिकारियों ने जांच कर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कारवाई की जानी चाहिये। इस तरह की मांग भी यात्रियों द्वारा की जा रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दे दी गई है

पिंडकेपार रेलवे स्थानक पर एजेंट के माध्यम से टिकीट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। लेकीन टिकीट नहीं मिलने की शिकायत मिलने से इस संदर्भ में रेल्वे प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दे दी है।

अरविंद शाह, वाणिज्य निरीक्षक, रेलवे गोंदिया

अज्ञातों ने दो एकड की धान फसल को लगाई आग

लाखों रुपयों का पहुंचा नुकसान । ब्राम्हणटोला-कावराबांध की घटना

गोंदिया - सालेकसा तहसील अंतर्गत कावराबांध ग्राम पंचायत के ब्राम्हणटोला खेत परिसर में दो एकड की कटी धान की फसल को अज्ञातों ने जलाकर राख कर दिया है। घटना १२ नवंबर को सामने आयी है। इस घटना में पीडित किसान पुरुषोत्तम गन्नु दसरिया को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा है। इस संदर्भ में जानकारी दी गई कि, कावराबांध ग्राम पंचायत के अंतर्गत ब्राम्हणटोला ग्राम आता है। इस ग्राम के किसान पुरुषोत्तम दसरिया ने दो एकड में धान की खेती लगाई थी। फसल आने के बाद धान की कटाई कर खेत में ढेर लगाकर रखे थे कि इसी दौरान किन्ही अज्ञातों ने धान के ढेर को आग लगा दी। इस आग में दो एकड का पूरा धान जलकर खाक हो गया। इस घटना में पीडित किसान को लगभग ४० क्विंटल धान का नुकसान पहुंचा है। किसान ने बताया कि अगले माह में बेटा-बेटी का विवाह का आयोजन किया गया है। धान की खेती के भरोसे पर विवाह की तैयारियां शुरु कर दी गई थी। लेकिन धान ही जला दिये जाने के कारण अब पैसा कहा से आयेंगा। जबकि इसी खेत परिसर में अन्य किसानों के धान के ढेर लगे हुये है। लेकिन वे सभी ढेर पूरी तरह से सुरक्षित है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि किसी ने जानबूझकर धान को आग लगाकर नुकसान पहुंचाने का काम किया है। घटना की जानकारी पुलिस व तहसील प्रशासन को दे दी।

विजय शिवनकर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पद व पक्ष से दिया त्यागपत्र

गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के जिला अध्यक्ष विजय शिवनकर ने जिला अध्यक्ष पद व पक्ष से अपना त्यागपत्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील को भेजा है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के जिला अध्यक्ष विजय शिवनकर द्वारा जिला अध्यक्ष पद व पक्ष से अपना त्यागपत्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील को भेजकर जिम्मेदारियों से मुक्त होने की घोषणा की है। अपने इस पत्र में उन्होंने कहा कि जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष में राजनीतिक वातावरण तथा सामंजस्य का अभाव होने के चलते जिम्मेदारियों का पालन करना संभव नहीं हो रहा है। गत ७ वर्षों से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य के रुप में कार्य करते हुए समय-समय पर दी गई जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक पालन किया है तथा चुनाव के दौरान भी सार्थक परिणाम दिए हैं। किंतु मेरे कार्यों का उचित मूल्यांकन नहीं किए जाने के चलते राष्ट्रवादी गोंदिया जिला अध्यक्ष पद तथा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहा हूं तथा आगे पार्टी का सदस्य भी नहीं रहूंगा। उपरोक्त त्यागपत्र स्वीकार करें।

इसकी प्रतिलिपि राज्य के उपमुख्यमंत्री व पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार तथा राज्यसभा सदस्य व पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल को भी भेजी गई है। इस संदर्भ में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए विजय शिवनकर से संपर्क किए जाने का प्रयास किया गया तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

जिला परिषद तथा पंचायत समिति चुनाव के लिए १ नवंबर २०२१ की मतदाता सूची का होगा उपयोग

गोंदिया – राज्य चुनाव आयोग ९ नवंबर२०२१ के आदेशानुसार गोंदिया जिला परिषद एवं ८ पंचायत समितियो के आम चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने के कार्यक्रम की घोषणा की है। इसके लिए १ नवंबर, २०२१ को महाराष्ट्र विधानसभा की प्रकाशीत मतदाता सूची का उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार चुनाव के लिए गोंदिया जिला परिषद और इसके तहत ८ पंचायत समितियां निर्वाचक मंडल को विभाजित करके, चुनावी गणना के लिए वार्डवार मतदाता सूची १२ नवंबर २०२१ को नागरिकों के अवलोकन के लिए १७ नवंबर, २०२१ तक प्रकाशित और आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित थे। २४ नवंबर २०२१ को अंतिम और प्रमाणित मतदाता सूची संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय एवं शासकीय कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रकाशित किया जाएगा। यदि इस मतदाता सूची के संबंध में कोई आपत्ति हो तो निर्धारित समय के भीतर संबंधित तहसीलदार के कार्यालय में आपत्ति एवं आपत्ति दर्ज कराये । आपत्तियों पर विचार करते हुए निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियां पर विचारनहीं होंगा ।

मतदाता सूची में निकटतम गांव और कस्बे के मतदाताओं के नाम निर्वाचन क्षेत्र या मतदाता समूह में मतदाता के रुप में भी पंजीकृत हैं और निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक स्थानों पर मतदाता पंजीकृत हैं मतदाताओं के नाम केवल एक ही स्थान पर होंगे और उन्हें अपना नाम दो बार कम करना होगा आवेदन तुरंत संबंधित मतदाता केंद्रीय स्तर के अधिकारी के साथ-साथ तहसीलदार को भी भेजे जाते हैं प्रस्तुत करना चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दोहरे हैं मतदान केंद्र पर आएंगे तो कठपुतली और फर्जी मतदाता होंगे इसलिए कानूनी कार्यवाही, आपराधिक मामला दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही जातक और ससुर से विवाहित महिलाओं के नाम दोनों गांवों को उनकी वर्तमान स्थिति में शामिल किया जाएगा निवास स्थान का नाम रखते हुए अन्य स्थानों पर नाम कम करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करना अन्यथा इसे दोहरा मतदाता पंजीकरण माना जाएगा। यह जानकारी जिला कलेक्टर नयना गुंडे ने दी है।

परशुरामकर बने राकांपा के जिला अध्यक्ष

सांसद प्रफुल पटेल ने गंगाधर परशुरामकर को सौंपी जिम्मेदारी

गोंदिया – १६ नवंबर को सांसद प्रफुल पटेल की अनुशंसा पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सरकार में मंत्री जयंत पाटील ने गोंदिया जिला राकांपा अध्यक्ष पद की नई नियुक्ति का पत्र जारी कर इसकी घोषणा की।

गंगाधर परशुरामकर जिला परिषद के सक्रिय सदस्य रहे, वही विरोधी पक्ष नेता भी। इसके साथ ही वे जिला नियोजन समिति के सदस्य भी है। वे जिले के सड़क अर्जुनी तहसील से होकर पक्ष में वरिष्ठ नेताओं में आँके जाते है। उन्हें मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर पक्ष में सकारात्मक ऊर्जा देखी जा रही है।

उनके नए जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति पर पुर्व विधायक राजेन्द्र जैन, नरेश माहेश्वरी, देवेन्द्रनाथ चौबे, विनोद हरिणखेडे, रफिक खान, विशाल शेंडे, किशोर तरोणे, कमलबापू

बहेकार, केवल बघेले, बालकृष्ण पटले, गोंविदभाउ तुरकर, अशोक सहारे, विनीत सहारे, सचिन शेंडे, सुरेष हर्शे, जिब्राइल पठाण, पियुश झा, मयुर दरबार, चुन्नीलाल सहारे, बबलू बिसेन, सुभाष येवलकर, पुरनलाल उईके, सुनिल पटले, नागरत्न बंसोड, शैलेश वासनिक, लव माटे, कपील बावनथडे, कुणाल बावनथडे, वामन गेडाम, पिंटु कटरे, सरभ मिश्रा, धमेन्द्र सतीसेवक, दिनेश कोरे, विनोद चुटे, पवन मेश्राम, अशपाक तिगाला, रौनक ठाकूर, नरेंद्र बेलगे आदि ने बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि अब पक्ष का विस्तार और तेजी बढ़ोतरी कर आगामी चुनावों में पक्ष का परचम लहराएगा।

मंहगाई की मार

रेस्टोरेंटो में खाना करना पड़ेगा महंगा - अखिलेश सेठ

गोंदिया रेस्टोरेंट एसोसियेशन गोंदिया द्वारा आहार रेस्टोरेंट में दीपावली मिलन समारोह एवं आवश्यक सभा अशोसियेशन के अध्यक्ष अखिलेश सेठ की अध्यक्षता में आयोजित की गयी इस अवसर पर दीपावली की बधाई देते हुए अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जिसमे अशो. मे नये सदस्य गोपाल अग्रवाल, शिवाला, स्वप्निल गोडे बिरयानी हाउस को एशो. मे शामिल होने पर बधाई दी गई, सभी सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र दिया गया उसके उपरांत सभी सदस्यों ने सर्व सम्मति से बढ़ती मंहगाई, से आक्रोश एवं गैस सिलेंडर, तेल, मसालों के मूल्य वृद्धि के कारण मजबूरी में होटल रेस्टोरेंट में बिकने

वाले सभी पदार्थो के मूल्य में बढ़ोतरी को समर्थन दिया। या तो सरकार कच्चे खाद्य पदार्थों के मूल्य कम करे नहीं तो पके हुए खाद्य पदार्थ को मजबूरी में महंगा करना पड़ेगा।

सभा का संचालन राजेश अग्रवाल ने एवं आभार प्रदर्शन राजन शिवहरे ने किया। सभा में गिरीश शिवहरे, घनश्याम दरबार, अंकित पटेल, लक्की भाटिया, राहुल बंजारी, संजय शर्मा, गुलशन यादव, विकास बिसेन, आदि अनेक सदस्य उपस्तिथि थे।

बाल दिवस के अवसर पर प्रभाग ९ में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

सैकड़ों नागरिकों ने लिया लाभ

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रभाग क्रमांक ९ में बाल दिवस के अवसर पर पवार बोर्डिंग में पार्षद जितेंद्र बंटी पंचबुद्धे व आशालता देशमुख द्वारा निशुल्क जांच स्वास्थ्य जांच शिविर व दवाई वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें प्रभाग के सैकड़ों नागरिकों ने निशुल्क शिविर का लाभ लिया। उपरोक्त शिविर में शहर के चिकित्सक डॉ. विनोद मोहबे, डॉ. तिमिरसिंह पटले, डॉ. मनीष पंधरे, डॉ. पल्लवी भगत, डॉ. राकेश चिखलौंडे, डॉ. मौसमी तिवारी, डॉ. श्वेता पटले, डॉ. सचिन करंडे, डॉ. निखिल भरने, डॉ. स्मिता भरने ने उपरोक्त शिविर में अपनी सेवा प्रदान कर स्वास्थ्य जांच कर

परामर्श दिया।

इस दौरान डॉ. विनोद मोहबे के मार्गदर्शन में मोहबे चिकित्सालय के सेवा भाव दल, गणेश ग्रामीण विकास संस्था द्वारा संचालित राधाबाई बहेकार नर्सिंग स्कूल की छात्राओं ने विशेष सहयोग देकर सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। निशुल्क औषधि वितरण में मेडिकल प्रतिनिधि सचिन पंडेले, सचिन बगमारे, प्रशांत गढ़पाल, नरेश पटले, उमेश पटले, अनिल बाहेकर, अनिल पारधी, अनिल उपवंशी ने सहयोग प्रदान किया। जांच शिविर के दौरान प्रभाग के पार्षद जितेंद्र बंटी पंचबुद्धे, आशालता देशमुख, पवार समाज के अध्यक्ष पृथ्वीराज चौहान, राजू बोपचे, पूर्व पार्षद कैलाश यादव, दीपम देशमुख, नरेंद्र काले, अविनाश पंचबुद्धे, धर्मेंद्र डोहरे, रुपेश निंबारते, नवीन नान्हे, सचिन बैस, कान्हा पटले, छोटू गौतम, शुभम तिवारी, रामलाल पारधी, अरविंद भैसारे, रोजर फर्नांडिस, अमर बनोठे, खुशबू बनोठे, संतोष नेवारे, प्रमोद पारधी, गुलाब माने, महेश माने, रविंद्र मटाले, नरेंद्र काले, कपिल पारधी, शिवम लिल्हारे, आकाश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित थे। शिविर में प्रभाग के २१२ लाभार्थियों ने लाभ लिया तथा इस कार्यक्रम का संचालन दीपा सचिन पंडेले व शैलेश जैन ने किया।

दक्षिण भारतीय तीर्थस्थलों के दर्शन स्पेशल टुरिस्ट ट्रेन द्वारा

गोंदिया – इंडियन रेल्वे केटरिंग एंड टूरिजम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दक्षिण भारत के दर्शनीय स्थलों के लिये पिलग्रिम स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन का संचालन कर रही है। यह ट्रेन तिरुपती बालाजी, श्रीकालाहस्ती और पद्मावती मंदिर, मदुरै मे मिनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी मे विवेकानंद रॉक, गांधी मंडपम और कन्याकुमारी मंदिर, रामेश्वरम मे रामनाथस्वामी ज्योतिर्लिंग मंदिर, कुर्नुल टाउन मे श्री शैलम मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग इत्यादी दर्शनीय स्थलों के दर्शन करवाएगी। यह ट्रेन ब्रजराजनगर रेल्वे स्टेशन ओडीसा से १५ दिसंबर २०२१ को रवाना होगी, यात्रियो की बोर्डिंग सुविधा हेतु गोंदिया और भंडारा रोड रेल्वे स्टेशन को भी निर्धारित किया गया है। जिसके लिये पैकेज बुकिंग भी सुरु हो गया है। ऐसी जानकारी आईआरसीटीसी के क्षेत्र प्रबंधक एस.जे. सोरेंग ने गोंदिया विश्रामगृह मे आयोजीत पत्रपरिषद मे दी। आगे जानकारी देते हुये उन्होने बताया की इस यात्रा पैकेज मे यात्रियों को स्लीपर और थर्ड एसी मे रेल किराया, स्लीपर क्लास के यात्रियों के लिये धर्मशाला, डारमेंट्री मे फ्रेश होने या रात्री विश्राम की सुविधा और एसी क्लास के यात्रियों के लिये नॉन एसी होटल मे फ्रेश होने या रात्री विश्राम की सुविधा होंगी, यात्रा के दौरान यात्रियों की शुध्द शाकाहारी भोजन दिया जायेंगा। नॉन एसी बसों द्वारा दार्शनिक स्थलों का भ्रमण और यात्रा बीमा भी शामील है। कोरोना की स्थिती को देखते हुये भारत सरकार के नियमों और निर्देशो का पालन करते हुये इस यात्रा का आयोजन किया गया है। ९ दिन की इस यात्रा के दौरान यात्रियों को स्लीपर क्लास मे प्रति व्यक्ती मात्र ८५१० रुपये और एसी क्लास के लिये १४१८० रुपये शुक्ल निर्धारित किया गया है। उक्त संबंध मे अधिक जानकारी हेतु आईआरसीटीसी की २४ घंटे हेल्पलाईन नंबर ८२८७९३२२४२ में संपर्क कर सकते है ऐसी जानकारी दी। पत्रपरिषद मे क्षेत्र प्रबंधक सोरेंग के साथ वरिष्ठ पर्यवेक्षक पर्यटन के भानुप्रकाश लाल खानपान अधिक्षक मिनीकेतन बारीक उपस्थित थे।

कर्ज से परेशान किसान का शव मिला कुएं में

प्रतिनिधि - गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत सिलेगांव कटंगी मार्ग पर खेत में स्थित कुवे में किसान का शव मिलने से क्षेत्र में खलबली मच गई है मृतक किसान की पहचान सिलेगांव निवासी रुपसेन भरतलाल ठाकरे ३९ के नाम से की गई है। इस संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रुपसेन ठाकरे पर निजी फाइनेंस कंपनी का कर्ज था जिससे वह गत कई दिनों से परेशान था १२ नवंबर से वह घर से लापता था परिजनों ने उसकी खोज की लेकिन कहीं पर भी उसका पता नहीं चल पाया था। १५ नवंबर को सुबह के दौरान सिलेगांव कटंगी मार्ग के एक खेत परिसर कुएं में एक शव दिखाई दिया जिसकी पहचान रुपसेन ठाकरे के नाम से की गई है। गोरेगांव पुलिस को घटना की जानकारी दी गई मृतक का पोस्टमार्टम करने गोरेगांव ग्रामीण अस्पताल में ले जाया गया है मृतक किसान की हत्या या आत्महत्या या हादसे में उसकी मौत हुई है यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा हो पाएगा।

मेडिकल के विद्यार्थी की जघन्य हत्या

गोंदिया शासकीय मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया निषेध

गोंदिया - वसंतराव नाईक वैद्यकीय महाविद्यालय यवतमाल में शिक्षा प्राप्त करें एमबीबीएस के विद्यार्थी अशोक पाल कि जघन्य हत्या होने पर इसका निषेध व विरोध गोंदिया शासकीय मेडिकल कॉलेज के निवासी चिकित्सकों, अंतरनिवासी चिकित्सक, वैद्यकीय विद्यार्थी द्वारा किया गया। गौरतलब है कि शासकीय मेडिकल कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा का प्रबंध शासन द्वारा नहीं किए जाने के चलते यवतमाल के वसंतराव नाईक वैद्यकीय महाविद्यालय में एमबीबीएस की शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अशोक पाल की जघन्य हत्या की गई।यह हत्या अत्यंत दुख दायक होने के साथ ही इस प्रकार की घटना घटित होने पर विद्यार्थियों तथा शासकीय मेडिकल कॉलेजों व चिकित्सालय में कार्य करने वाले चिकित्सकों की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो चुका है। इस घटना का गोंदिया शासकीय मेडिकल कॉलेज के निवासी चिकित्सकों, अंतर निवासि

चिकित्सक व चिकित्सक विद्यार्थियों द्वारा निषेध कर अशोक पाल को जल्द से जल्द न्याय मिलने के लिए चल रहे आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। तथा कैंडल मार्च निकाल कर घटना का विरोध करते हुए अशोक पाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। वैद्यकीय महाविद्यालय व चिकित्सालय परिसर में इस प्रकार की घटना घटित होने पर प्रशासन व शासकीय चिकित्सालय प्रबंधको की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। जिससे पूरे राज्य में भय का वातावरण बना हुआ है।

राज्य स्तरीय नेटबॉल स्पर्धा के लिए प्रशिक्षण शिविर व चयन स्पर्धा

गोंदिया जिला नेटबॉल एसोसिएशन एवं चौतन्य क्रीडा युवक मंडल के संयुक्त तत्वाधान में १८ से २१ नवंबर तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में नेटबॉल खेल का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा ।जिसमें प्रशिक्षक स्नेहदीप कोकाटे कृतुराज यादव द्वारा खेल का प्रशिक्षण दिया जाएगा इसके पश्चात २२ नवंबर को इंदिरा गांधी स्टेडियम में सुबह ७रु३० बजे से सीनियर खिलाड़ियों के लिए चयन स्पर्धा रखी गई है ।जिसमें जिले के सभी तहसीलों के खिलाड़ी इस स्पर्धा में शामिल हो सकते हैं। सभी प्रतियोगियों को कीट, जूते में आना व आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र की सत्य प्रति लाना अनिवार्य होगा। चयनित खिलाड़ियों का जालना में ३ से ५ दिसंबर २०२१ तक चौथी सीनियर महाराष्ट्र राज्य स्तरीय नेटबॉल स्पर्धा में हिस्सा ले सकेंगे तथा इसमें गोंदिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे ऐसी जानकारी महाराष्ट्र एमेच्योर नेटबॉल एसोसिएशन के सचिव डॉ ललित जीवाणी द्वारा दी गई है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय

जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया

मो. : 9405244668, 7670079009

समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।